धैर्य का फल

नही रुकूँगा नही थमूंगा
चाहे दे दो हमको गाली
एक दिन मेरा काम देख
बजाते रहोगे तुम ताली,
गाड़ी के दो पहियों में
दूरी रखनी ही पड़ती है ,
कदम साथ मिलाने से
वो दूरी भी कम हो जाती है,
सँग रहकर अपनो के
विश्वास जगाना पड़ता है,
जीवन रूपी गाड़ी को
अब कोई रोक ना पायेगा,
दिल के गहरे जख्मो को
मरहम ही अच्छा कर पायेगा,
दुनिया की इस भीड़ में
जो बिना रुके चल सकता है,
इंसान वही इस धरती पर
नव प्रकाश फैलाकर जाता है,
साहस धैर्य से आगे आकर
जन जन को राह दिखाता है,
आने वाली पीढ़ी के लिये
पगडण्डी बना कर जाता है,
काम कोई छोटा नही
कद करने वाले का बढ़ता है,
छोटी सी इस जिंदगी में
निशान छोड़कर जाता है,

✍ गोपाल कृष्ण व्यास